पेज नं 2... किस स्थान पर मिला था बाबा खाटू श्याम का शीश, जानें?

मालवा फर्स्ट

MALWA FIRST

स्वाभिमान ही हमारा अभिमान है

RNI NO. MPHIN38290 (TC)

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा (पवन)

नीमच, बुधवार

31 जनवरी 2024

वर्ष 01, अंक 47, - मूल्य 02 रूपए

Periodicity- Weekly

E-mail: nmh.pawan@gmail.com

Contact: 9407423966, 8770664866

Commodity: Gold 64,155 Silver 76,500 Crude Oil 6,386 Natural Gas 181.80 Aluminium 199.35 Copper 727.35

छोटी खबरें

विश्व कैंसर दिवस पर नि:शुल्क चिकित्सा शिविर 1 को

नीमच। एशियन हेड एंड नेक कैंसर फाऊंडेशन, अहमदाबाद, भगवान महावीर हॉस्पिटल सुमेरपुर राजस्थान एवं केयरवेल हॉस्पिटल नीमच के संयुक्त तत्वाधान में विश्व कैंसर दिवस के उपलक्ष्य में 1 फरवरी गुरुवार सुबह 10 से 2 बजे तक गायत्री मंदिर के समीप केयरवेल हॉस्पिटल में कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉक्टर सुदीप श्रीवास्तव द्वारा मुंह और गले के कैंसर रोगियों को परामर्श और उपचार के लिए नि:शुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया जाएगा।

चिकित्सा शिविर में मुंह में सफेद लाल चकते, घाव, गले में सूजन, गठान, गाल जीभ व तलवे में छाले, मुंह का कम खुलना, जीव्हा को बाहर निकलने में कठिनाई , आवाज में बदलाव व भारीपन बोलने में कठिनाई आदि समस्याओं का निराकरण चिकित्सा परामर्श के माध्यम से किया जाएगा।

अधिक जानकारी एवं पंजीयन के लिए केयरवेल हॉस्पिटल में9340750417,8602138660 पर भी संपर्क कर सकते हैं।

नपा स्टॉफ ने शहीद दिवस पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की

नीमच। नगरपालिका परिषद्, नीमच द्वारा 30 जनवरी को राष्ट्र पुरूष महात्मा गांधीजी की पुण्यतिथि शहीद दिवस के रूप में मनाते हुए मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री महेन्द्र वशिष्ठ की उपस्थिति में नगरपालिका के अधिकारियों व कर्मचारियों ने देश की खातिर प्राण न्यौछावर करने वाले शहीदों का स्मरण करते हुए दो मिनिट का मौन रख वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर कार्यालय अधीक्षक श्री जमनालाल पाटीदार सहित नगरपालिका के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

अज्ञात कारणों के चलते सीआरपीएफ जवान ने खुद को गोली मार की आत्महत्या

नीमच। अज्ञात कारणों के चलते मंगलवार को नीमच सीआरपीएफ के जवान ने अपनी सर्विस राइफल से खूद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली ।जिसे नीमच जिला चिकित्सालय लाया गया जहा चिकित्सकों ने उसकी मौत की पुष्टि की इसके बाद कैंट पुलिस ने सीआरपीएफ जवान के शव का परीक्षण कराकर शव परिजनों को सौपा है। नीमच जिला चिकित्सालय से मिली जानकारी अनुसार सौरभ पिता तरसीम उम्र 26 वर्ष निवासी होशियारपुर पंजाब ने मंगलवार की सुबह करीब 5 बजे ड्यूटी से लौटकर खूद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। गोली की आवाज सुनकर सीआरपीएफ स्टाफ के जवान मौके पर पहुँचे और जवान को जिला अस्पताल लाए। जहाँ चिकित्सको ने जवान को मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद जवान का शव परीक्षण कर सीआरपीएफ के जवानों को सोपा गया। जहाँ से जवान का शव लेकर सीआरपीएफ स्टाफ पंजाब के लिए रवाना हो गए। फिलहाल जवान द्वरा आत्महत्या का कारण अज्ञात बताया जा रहा हैं। वही मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की जांच प्रारंभ की है।

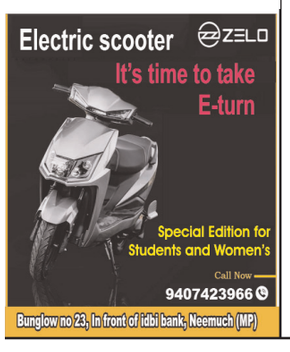

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की केंद्रीय मंत्री श्री गोयल से प्रदेशहित के विषयों पर हुई विस्तृत चर्चा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को दिल्ली में केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण तथा कपड़ा मंत्री श्री पीयूष गोयल से सौजन्य भेंट कर उनके मंत्रालयों से संबंधित प्रदेश के विभिन्न विषयों पर चर्चा की। बैठक के दौरान धार स्थित पीएम मित्र पार्क, साड़ी वॉकैथन का आयोजन, नेशनल टेक्निकल टेक्सटाइल मिशन के अंतर्गत प्रशिक्षण प्रस्ताव, मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना के अंतर्गत जनजातीय महिलाओं के प्रशिक्षण तथा रबी उपार्जन जैसे विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि राज्य शासन द्वारा धार स्थित पीएम मित्र पार्क के लिए स्पेशल पर्पज व्हीकल बनाने और भूमि स्थानांतरित करने जैसी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं, और पीएम मित्र पार्क प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कर-कमलों से भूमिपूजन के लिए तैयार है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय मंत्री श्री गोयल से प्रदेश में साड़ी वॉकैथन के आयोजन में सहयोग दिए जाने का अनुरोध किया जिससे प्रदेश की चंदेरी, माहेश्वरी और बाग प्रिंट्स जैसे हैंडलूम उत्पादों का व्यापक प्रचार हो सके।

केंद्रीय मंत्री ने कपड़ा मंत्रालय द्वारा प्रदेश शासन को साड़ी वॉकैथन के आयोजन के लिए हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया। साड़ी वॉकैथन को सफल बनाने के लिए केंद्रीय मंत्री ने लोकल सेलेब्रिटी, लोकल आरजे और सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर्स को जोड़ने का सुझाव दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नेशनल टेक्निकल टेक्सटाइल मिशन के अंतर्गत प्रदेश शासन द्वारा बनाए गए प्रशिक्षण प्रस्तावों की रूपरेखा केंद्रीय मंत्री के सामने रखी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना भी संचालित है जिसमें प्रदेश के युवाओं को स्टाइपेंड सहित प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने योजना में विभिन्न कपड़ा मिलों को पंजीकृत किया जाने का अनुरोध किया जिससे प्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों की महिलाओं को लाभ दिया जा सके। केंद्रीय मंत्री श्री गोयल ने इस संबंध में मंत्रालय के अधिकारियों को कपड़ा मिलों का डाटाबेस तैयार किए जाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की समर्थ योजना से प्रदेश की सीखो कमाओ योजना को जोड़कर प्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों के महिला स्व-सहायता समूहों को लाभ दिया जा सकता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रबी उपार्जन के संबंध में भी केंद्रीय मंत्री श्री गोयल से विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही प्रदेश की मंडियों में गेंहू की आवक शुरू हो जाएगी और किसानों का उपार्जन हेतु पंजीयन शुरू कर दिया जाएगा। केंद्रीय मंत्री श्री गोयल ने कहा कि किसी भी किसान की उपज न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम पर नहीं खरीदी जाएगी।

न्यूनतम समर्थन मूल्य पर उपार्जन से किसी भी किसान को वंचित नहीं रखा जाएगा और प्रदेश के छोटे और सीमांत किसानों तथा वनाधिकार पट्टाधारकों से उपार्जन किया जाना प्राथमिकता होनी चाहिए।

प्रधानमंत्री श्री मोदी को पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना के लिए मंत्रिपरिषद ने दिया धन्यवाद

मंत्रिपरिषद ने 10 हजार 405 करोड़ की सड़क परियोजनाओं के लिए केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी का माना आभार

केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी के कृषि और उद्योग संबंधी सुझावों के क्रियान्वयन पर विचार के लिए बनेगा टास्क फोर्स

फरवरी में होगा केन-बेतवा लिंक परियोजना का भूमि पूजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में वंदे मातरम् गान के साथ आरंभ हुई मंत्रिपरिषद की बैठक

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक मंत्रालय में वंदे मातरम् गान के साथ आरंभ हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रिपरिषद की बैठक से पहले अपने संबोधन में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना के लिए धन्यवाद दिया तथा प्रदेश को 10 हजार 405 करोड़ की सड़क परियोजनाओं की सौगात देने के लिए केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी का आभार माना। मंत्रिपरिषद के सदस्यों ने मेजें थपथपाकर अभिवादन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लगभग दो दशक से लंबित पार्वती- कालीसिंध- चंबल लिंक परियोजना, प्रधानमंत्री श्री मोदी की पहल से अब मूर्त रूप ले सकेगी। इससे मध्य प्रदेश के मालवा और चंबल क्षेत्र के 12 जिले और पूर्वी राजस्थान के 13 जिले लाभान्वित होंगे, इन क्षेत्रों में पेयजल की उपलब्धता बढ़ेगी तथा सिंचाई और औद्योगिक उपयोग के लिए भी पानी उपलब्ध होगा। उन्होंने जानकारी दी की 75000 करोड़ की इस परियोजना में राज्यांश मात्र 10त्न है, 90त्न राशि केंद्र शासन द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी। डॉ. यादव ने कहा कि केन-बेतवा लिंक परियोजना का भूमि पूजन फरवरी 2024 में होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री गडकरी द्वारा दी गई राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की सौगात से प्रदेश के सभी संभागों में त्वरित और सुगम सड़क परिवहन की सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी द्वारा कृषि और उद्योग क्षेत्र के संबंध में दिए गए सुझावों के क्रियान्वयन तथा आवश्यक समन्वय के लिए विशेष टास्क फोर्स गठित किया जाएगा।

कायाकल्प की टीम से रूबरू हुए कलेक्टर स्वास्थ्य के क्षेत्र में नवाचारों से अवगत कराया

जिला अस्पताल में क्वालिटी एंश्योरेंस सर्टिफिकेट के प्रोटोकाल अनुरूप स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाई जायेगी-श्री जैन

नीमच। जिला अस्पताल नीमच में केंद्र सरकार के क्वालिटी एंश्योरेंस सर्टिफिकेट के प्रोटोकाल के अनुरूप स्वास्थ्य सेवाएं व सुविधाएं उपलब्ध करवाई जायेगी। जिससे कि अस्पताल में मरीजों को बेहतर सुविधाएं मिल सके। यह बात कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने बुधवार को जिला अस्पताल नीमच के निरीक्षण के लिए स्वास्थ्य विभाग भोपाल से आई कायाकल्प टीम के डॉ.विवेक मिश्रा, एवं डॉ. सौरभ मण्डवारिया से चर्चा में कही। इस मौक पर जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद, सिविल सर्जन डॉ.महेन्द्र पाटिल, डॉ.मनीष यादव व अन्य चिकित्सकगण, स्वास्थ्य उपस्थित था।

कलेक्टर श्री जैन ने बुधवार को जिला चिकित्सालय पहुंच कर, कायाकल्प टीम के सदस्यों से मुलाकात की और उन्हें जिले में स्वास्थ्य के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों से अवगत कराया। कलेक्टर श्री जैन ने कायाकल्प टीम को अवगत कराया कि जिले में रक्तदान महाअभियान के तहत वर्ल्ड रिकार्ड हांसिल किया है। सभी मेडिकल स्टोर्स पर बी.पी.जांच का निःशुल्क अभियान भी संचालित है। सशस्त्र सेना झण्डा दिवस पर 1.20 करोड की राशि संग्रहित कर रिकार्ड स्थापित किया गया है। टी.बी.मुक्त भारत अभियान के तहत 51 पंचायतें टी.बी.मुक्त घोषित कर दी गई है। जिलों को 2024 में टी.बी.मुक्झत कर दिया जावेगा। विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान जिले में 38 हजार टी.बी. मरीजों की जांच की गई है। पांच हजार से अधिक फूड बास्केट टी.बी. मरीजों को वितरित की गई है। फूड बास्केट वितरण का कार्य पंचायतों के माध्यम से निरंतर जारी है।

कायाकल्प टीम के डॉ.विवेक मिश्रा ने अवगत कराया कि जिला चिकित्सालय नीमच में क्वालिटी एंश्योरेंस सर्टिफिकेट की गाईडलाईन प्रोटोकाल अनुसार स्वास्थ्य सेवाएं सुविधाएं उपलब्ध होती है, तो शासन व्दारा प्रति बेड के मान से दस हजार रूपये सालाना, इस तरह तीन सौ बेड के लिए 30 लाख रूपये की अतिरिक्त राशि स्वास्थ सुविधाओं के लिए से उपलब्ध कराई जावेगी।

प्रारंभ में कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने कायाकल्प टीम, के डॉ.विवेक मिश्रा एवं श्री सौरभ मण्डावरिया को पगडी पहनाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया।

मद्य निषेध संकल्प दिवस अंतर्गत सेमिनार सह प्रतियोगिता आयोजित

आज देश में सबसे ज्यादा नशा युवा कर रहे है जो चिंता का विषय है - डॉ. जोशी

नीमच। सामाजिक संस्था समर्पण फाउण्डेशन व्दारासीईओं जिला पंचायत श्री गुरूप्रसाद तथा उपसंचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग एवं अति. सीईओं अरविन्द डामोर के निर्देशन में एवं नोडल अधिकारी जिला समन्वयक जन अभियान परिषद वीरेन्द्र सिंह ठाकुर एवं संस्था अध्यक्ष श्रीमती मीरा थापा के मार्गदर्शन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथी के उपलक्ष्य में मद्य निषेध संकल्प दिवस के अवसर पर समाजकार्य स्नातक एवं स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों हेतु नशा मुक्त भारत अभियान पर सेमिनार सह वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नीमच में किया गया। आयोजन में मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्रो डॉ संजय जोशी थे, अध्यक्षता संयुक्त सचिव सुश्री जया सोनी थे। वाद-विवाद प्रतियोगिता में बी.एस.डब्ल्यू रुप में जयप्रकाश लोधा ने प्रथम, प्रवीण सोनी ने द्वितीय, अंबिका चौहान ने तृतीय स्थान तथा एम.एस.डब्लयू रुप में अभिषेक चोहान ने प्रथम, आकाश चौहान ने द्वितीय एवं राहुल माली ने तृतीय स्थान प्राप्त किया जिन्हें अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान कर पुरूस्कृत किया गया। डॉ जोशी ने कहा कि आज देश में सबसे ज्यादा नशा युवा कर रहे है जो चिंता का विषय है युवको के साथ साथ महानगरों में युवतियॉ भी नशे का शौक पाल रही है जिससे हमारी आने वाली पीढी पर संकट मंडरा रहा है।

नशे से युवाओं की उर्जाशक्ति कम हो रही है, जिससे समाज में असंतुलन की स्थिति हो रही है। बच्चों और युवाओं को नशामुक्त रखना हमारी पहली जिम्मेदारी है। अभिभावक अपने बच्चों का ध्यान रखे, अगर नशा कर रहे है तो उन्हें तुरंत रोके। नशा केवल और केवल बर्बादी है इसके अलावा कुछ नहीं। संयुक्त सचिव जया सोनी द्वारा विद्यार्थियों को स्वयं नशा नहीं करने एवं दूसरों को भी नशा त्यागने के लिए प्रेरित करने हेतु मार्गदर्शन दिया। रेडक्रॉस नशामुक्ति केन्द्र के मनावैज्ञानिक श्री तिवारी ने नशे के विभिन्न प्रकारो को बताते हुए नशामुक्ति केन्द्र में भर्ती करने एवं नशा छुडाने की प्रक्रिया से सभी को अवगत कराया। इस अवसर पर जन अभियान परिषद के परामर्शदाता श्रीमती सरीता शर्मा, मीनू त्रिपाठी, श्वेता जोशी एवं समस्त विद्यार्थी उपस्थित थे। संचालन एवं आभार जन अभियान परिषद के पवन कुमरावत ने किया।

कलेक्टर श्री जैन ने ग्राम पंचायत सांडिया एवं फूलपुरा में विकास एवं निर्माण कार्यो का निरीक्षण किया, ग्राम पंचायत को आदर्श बनाने के निर्देश दिए

नीमच। कलेक्टर दिनेश जैन ने बुधवार को नीमच जिले की मनासा जनपद की ग्राम पंचायत सांडिया और फूलपुरा का भ्रमण कर, ग्राम पंचायत व्दारा करवाये गये विकास कार्यो का अवलोकन किया। कलेक्टर ने ग्राम पंचायत सांडिया को आदर्श ग्राम पंचायत बनाने के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश भी पंचायत सचिव एवं सरपंच प्रतिनिधि को दिए। इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ गुरूप्रसाद, एसडीएम पवन बारिया, तहसीलदार बी.के.मकवाना, पंचायत समन्वयक अधिकारी गोपाल कृष्ण परिहार एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर दिनेश जैन ने ग्राम पंचायत सांडिया के पंचायत भवन परिसर में बगीचा निर्माण कार्य, रूफ वाटर हार्वेस्टिंग मॉडल, कूडादान निर्माण, पौधारोपण कार्य, शमशान (शांतिधाम) विकास कार्य, नाला निर्माण कार्य का मौके पर निरीक्षण किया और ग्राम पंचायत व्दारा करवाये गये कार्यो की सराहना की। सरपंच प्रतिनिधि ने अवगत कराया कि ग्राम पंचायत में विभिन्न स्थानों पर सीसीटीव्ही कैमरे लगाये जाना प्रस्तावित है। साथ ही गांव में प्रमुख स्थानों पर हाईमास्क भी लगाये जावेंगे। गांव में पब्लिक अनाउंस सिस्टम भी लग चुका है। तालाब के सौंदर्यीकरण का कार्य भी जारी है। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि ग्राम पंचायत क्षेत्र में जितने भी शासकीय भवन स्थित है, उन्हें राजस्व अभिलेख में दर्ज किया जाये।

कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने ग्राम पंचायत फूलपुरा में नव निर्मित कृषक सुविधा केंद्र भवन का निरीक्षण किया और कृषक उत्पादक संगठन के सदस्यों से चर्चा कर, उनके व्दारा प्रस्तावित गतिविधियों की जानकारी ली। किसानों ने एफपीओ को समर्थन मूल्य खरीदी केंद्र स्थापित करने की अनुमति प्रदान करने की भी मांग की। इस कृषक सुविधा केंद्र पर क्षेत्र के किसानों के लिए ट्रेक्टर व अन्य कृषि उपकरण व सामग्री किराये पर उपलब्ध करवाई जावेगी।

कलेक्टर श्री जैन ने फूलपुरा में एस.बी.एम. पार्क, (स्वच्छ भारत मिशन पार्क) निर्माण के कार्य का भी अवलोकन किया। उन्होने इस पार्क में बनाये गये सामुदायिक शौचालय के मॉडल, सेग्रीगेशन शेड, एफ.एस.टी.सी. के मॉडल वर्मीकम्पोस्ट पिट का भी अवलोकन किया। ग्राम पंचायत व्दारा करवाये गये कार्यो की कलेक्टर ने सराहना की।

श्रमिक को साईकिल वितरित- कलेक्टर श्री दिनेश जैन व्दारा म.प्र.कर्मकार कल्याण मण्डल की योजना के तहत सांडिया के पंजीकृत श्रमिक अशोक प्रभुराम पुरोहित को श्रम विभाग की तरफ से साईकिल खरीदने के लिए प्रदान किए गऐ अनुदान से खरीदी गई साईकिल भी प्रदान की।

कलेक्टर श्री जैन ने किसान के खेत में जाकर की फसल की गिरदावरी- कलेक्टर दिनेश जैन ने ग्राम सांडियां के भ्रमण के दौरान बुधवार को ग्राम सांडियां में किसान देवप्रकाश तिवारी के खेत पर जाकर युवा किसान श्री मुकेश कुमार व्दारा की जा रही फसल की ऑनलाईन स्पाट गिरदावरी कार्य का जायजा लिया।

कलेक्टर श्री जैन ने स्वयं मोबाईल पर किसान देवप्रकाश के खेत में खडी अलसी की फसल की खेत में जाकर स्वयं ऑनलाईन गिरदावरी की। युवा किसान मुकेश कुमार व्दारा गांव के सभी 1204 किसानों के खेतों पर जाकर फसल गिरदावरी का कार्य किया जा रहा है।

परित्यागता, तलाकशुदा, विधवा दिव्यांगजनों का विवाह परिचय सम्मेलन 31 को

नीमच। कलेक्टर महोदय दिनेश जैन एवं अपर कलेक्टर नेहा मीना के मार्गदर्शन में दिव्यांग ज्योति सेवा संस्थान एवं प्रेरणा मूकबधिर संघ के संयुक्त तत्वावधान में दिव्यांग विवाह योग युवक युवती विवाह परिचय सम्मेलन 31 जनवरी बुधवार 2024 को आयोजित किया जाएगा ।

दिव्यांगजनों की विभिन्न समस्याओं का निराकरण के लिए एवं उन्हें शासन की समुचित योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए लगातार प्रयासरत दिव्यांगजनो की अग्रणी संस्था दिव्यांग ज्योति सेवा संस्थान के अध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक रामप्रकाश बलदेवा जांगिड़ एव प्रेरणा मुक्ति संघ के खुमान कुंवर भारद्वाज ने संयुक्त जानकारी देते हुए बताया की संयुक्त तत्वावधान में विवाह योग्य सभी श्रेणी के दिव्यांगजनों का विवाह परिचय सम्मेलन का आयोजन 31 तारीख बुधवार को प्रात: 11 बजे जिला चिकित्सालय के सामने रेडक्रॉस सोसाइटी में आयोजित किया जाएगा।

विवाह परिचय सम्मेलन में परित्यागता, तलाकशुदा, विधवा दिव्यांगजन भाग ले सकेंगे । एक पक्ष दिव्यांग होने की स्थिति में एवं मध्य प्रदेश शासन द्वारा मध्य प्रदेश के निवासी होने दशा में 2 लाख की राशि का लाभ एवं दोनों पक्षों का दिव्यांग होने के दिशा में एक लाख रुपए व विधवा महिलाओं को कल्याणी योजना के तहत पुन: विवाह होने पर रुपये 2 लाख का लाभ शासन द्वारा दिया जाएगा।

कल्याणकारी योजना तलाकशुदा परित्याग महिलाएं विवाह करने की दिशा में उन्हें भी 2 लाख की सहायता का लाभ शासन से दिलाया जाएगा।

संस्था अध्यक्ष रामप्रकाश बलदेव जांगिड़, प्रेरणा मूकबधिर संघ की खुमान कुंवर भारद्वाज ने सभी विवाह योग दिव्यांग युवक, युवतियों अभिभावकों एवं सभी तलाकशुदा, परित्याग, विधवा बहनों से उनके परिजनों से आग्रह किया है कि अधिक से अधिक दिव्यांगजन भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाऐं।

2 किलो 300 ग्राम अवैध अफीम जप्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया

जावद। अवैध मादक पदार्थ की तस्करी की धरपकड़ में नीमच जिले की जावद पुलिस को बड़ी सफलता मिली हैं। जावद थाना पुलिस ने कार्यवाई करते हुए 02 किलो 300 ग्राम अवैध अफीम जप्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया हैं। साथ तस्करी में प्रयुक्त बाइक को भी पुलिस ने जप्त किया हैं। उप निरीक्षक जावद असलम पठान ने जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 28 जनवरी 2024 जावद पुलिस द्वारा नयागांव रोड पर श्री महाकाल होटल एण्ड रेस्टोरेंट के पास नाकाबंदी कर वाहन चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान दो युवक बजाज प्लेटिना मोटरसाईकल पर आए। जिनको रोककर तलाशी लेने पर प्लास्टिक की थैली में 02 किलो 300 ग्राम अवैध अफीम बरामद हुई। पुलिस ने अवैध अफीम को जप्त कर दोनों आरोपियों मुकेश उर्फ बबलू पिता डालू भील उम्र 22 साल एवं भेरूलाल उर्फ राहुल पिता डालू भील उम्र 19 साल निवासी लालपुरा थाना जावद के खिलाफ अपराध क्रमांक 45/28.01.24 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 08/18 के तहत कार्यवाई की गई। साथ ही पुलिस ने मादक पदार्थ की तस्करी में प्रयुक्त बाइक को भी जप्त किया हैं।

ICC Test Rankings में ओली पोप ने लगाई लंबी छलांग,

पहला टेस्ट खेले बिना ही Virat को हुआ फायदा, विलियमसन की बादशाहत बरकरार

ICC Test Rankings भारत के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज इंग्लैंड टीम ने शानदार तरीके से किया। इंग्लैंड टीम ने पहले टेस्ट मैच को 28 रन से अपने नाम किया। इस जीत के बाद आईसीसी की ताजा टेस्ट रैंकिंग में भी इंग्लैंड टीम के खिलाड़ी का जलवा है। इंग्लैंड के स्पिनर टॉस हार्टली ने पहले टेस्ट में कमाल की गेंदबाजी कर भारतीय बल्लेबाजों को अपना शिकार बनाया।

नई दिल्ली। भारत के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज इंग्लैंड टीम ने शानदार तरीके से किया। इंग्लैंड टीम ने पहले टेस्ट मैच को 28 रन से अपने नाम किया। इस जीत के बाद आईसीसी की ताजा टेस्ट रैंकिंग में भी इंग्लैंड टीम के खिलाड़ी का जलवा है। इंग्लैंड के स्पिनर टॉस हार्टली ने पहले टेस्ट में कमाल की गेंदबाजी कर भारतीय बल्लेबाजों को अपना शिकार बनाया। उन्हें घातक प्रदर्शन का अब इनाम मिल गया है। टॉम हार्टली के अलावा वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज शामर जोसेफ को भी टेस्ट रैंकिंग में तगड़ा फायदा हुआ है। हैरान कर देने वाली बात यह है कि विराट कोहली को इंग्लैंड के खिलाफ पहला टेस्ट मैच खेले बिना ही एक स्थान का फायदा हुआ।

विराट-बुमराह समेत इन स्टार्स को टेस्ट रैंकिंग में हुआ फायदा

दरअसल, आईसीसी द्वारा जारी की गई ताजा टेस्ट रैंकिंग में इंग्लैंड के बल्लेबाज ओली पोप (Ollie Pope) ने 20वें पायदान की लंबी छलांग लगाई। वह 15वें स्थान पर पहुंच गए हैं। पोप ने भारत के खिलाफ खेले गए पहले टेस्ट मैच में शानदार बल्लेबाजी की थी और 196 रन बनाए थे, जिसमें 21 चौके शामिल थे। पहले टेस्ट में कमाल के प्रदर्शन के बाद ओली को प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया था। वहीं, टेस्ट रैंकिंग में टॉप पर केन विलियमसन का नाम दर्ज हैं, जिनके पास 864 अंक हैं। इंग्लैंड के जो रूट 832 अंक के साथ दूसरे पायदान पर और ऑस्ट्रेलिया के स्टिव स्मिथ तीसरे स्थान पर अंक के साथ मौजूद हैं। चौथे स्थान पर न्यूजीलैंड के डैरिल का नाम हैं, जिन्हें एक स्थान का फायदा हुआ हैं। पाकिस्तान टीम के पूर्व कप्तान बाबर आजम 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं। अगर बात करें टेस्ट रैंकिंग में गेंदबाजों की तो जसप्रीत बुमराह को हैदराबाद टेस्ट में शानदार प्रदर्शन के बाद एक स्थान का फायदा हुआ है। बुमराह 825 अंक के साथ चौथे स्थान पर हैं।

उन्होंने पहले टेस्ट मैच में इंग्लैंड के खिलाफ 6 विकेट चटकाए थे। आर अश्विन टॉप पर काबिज हैं, जिन्होंने हैदराबाद टेस्ट में 6 विकेट हासिल किए थे। वहीं, भारत के खिलाफ पहले टेस्ट में 9 विकेट लेने वाले टॉम हार्टली 63वें स्थान पर आ गए हैं। उनके पास 332 रेटिंग प्वाइंट्स हैं।

12 Jyotirlinga: राशि के अनुसार जानें, किस ज्योतिर्लिंग की पूजा से प्राप्त होगी महादेव की कृपा

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार हर ज्योतिर्लिंग साधक को दुखों से मुक्ति दिला सकता है। शिव पुराण में वर्णन मिलता है कि सावन माह में 12 ज्योतिर्लिंगों के स्मरण मात्र से व्यक्ति के सभी दुख-संताप दूर हो जाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि हर ज्योतिर्लिंग किसी न किसी राशि से जुड़ा हुआ माना जाता है। ऐसे में जानिए कि आपकी राशि के लिए कौन-सा ज्योतिर्लिंग उत्तम रहेगा।

नई दिल्ली। पूरे भारत में 12 जगहों पर शिव जी ज्योति स्वरूप में विराजमान हैं, जिन्हें 12 ज्योतिर्लिंग के नाम से जाना जाता है। ऐसे में यदि आप अपनी राशि के अनुसार, ज्योतिर्लिंग की पूजा करते हैं तो इससे आपको शिव जी की विशेष कृपा प्राप्त हो सकती है।

सोमनाथ ज्योतिर्लिंग

ज्योतिर्लिंगों 12 में से सबसे पहला ज्योतिर्लिंग गुजरात राज्य के सौराष्ट्र नगर में अरब सागर के तट स्थित है। इसे सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के नाम से जाना जाता है। इस ज्योतिर्लिंग को मेष राशि के जातकों के लिए अधिक शुभ माना गया है। ऐसे में मेष राशि के जातकों को सोमनाथ ज्योतिर्लिंग का पंचामृत से अभिषेक करने से विशेष लाभ मिल सकता है।

शैल मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग

आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में श्री शैलम नाम के पर्वत पर शैल मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग स्थापित है। वृषभ राशि वालों के लिए इस ज्योतिर्लिंग का विशेष महत्व माना गया है। ऐसे में इस राशि के जातकों शैल मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने जरूर जाना चाहिए।

महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग

मध्य प्रदेश के उज्जैन में स्थित श्री महाकालेश्वर भारत में बारह प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंगों में से एक हैं। इस ज्योतिर्लिंग का संबंध मिथुन राशि से माना गया है। ऐसे में मिथुन राशि के जातकों को शिव जी को मंत्रों का जप कर इसकी आराधना करनी चाहिए।

ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग

ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग भी मध्य प्रदेश में स्थित है। यह इंदौर के पास नर्मदा नदी के किनारे स्थित है। कर्क राशि के जातकों को इसके दर्शन करने से विशेष लाभ मिल सकता है।

बैजनाथ ज्योतिर्लिंग

बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक पवित्र ज्योतिर्लिंग झारखंड के देवघर में स्थित है। इसे वैद्यनाथ शिवलिंग के नाम से जाना जाता है। इस शिवलिंग की पूजा, सिंह राशि के लोगों के लिए विशेष फलदायक मानी गई है।

भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग

भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग महाराष्ट्र से थोड़ी दूर सहाद्रि नामक पर्वत पर स्थिति है। माना जाता है कि कन्या राशि के जातक इस ज्योतिर्लिंग पर दूध अर्पित करते हैं, तो उनकी इच्छाओं की पूर्ति जल्द होती है।

रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग

तमिलनाडु के रामनाथपुरम जिले में स्थित रामेश्वर ज्योतिर्लिंग चार धामों में से भी एक माना गया है। वहीं, तुला राशि के लोगों के लिए इस शिवलिंग की पूजा का विशेष महत्व माना गया है। ऐसा करने से आपका दांपत्य जीवन सुखी बना रहेगा।

नागेश्वर ज्योतिर्लिंग

12 ज्योतिर्लिंग में 10वां स्थान नागेश्वर ज्योतिर्लिंग का आता है, जो गुजरात के द्वारका स्थित है। जहां वृश्चिक राशि के लोगों द्वारा शमी और बेलपत्र

आदि अर्पित करने से जीवन में लाभ देखने को मिल सकता है।

काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग

वाराणसी में काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग, भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंग में से एक है। माना जाता है कि धनु राशि के जातकों द्वारा इस शिवलिंग पर दूध का अभिषेक करने से आपके सभी कष्ट दूर हो सकते हैं।

त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग

श्री त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग महाराष्ट्र के नासिक से कुछ पर ब्रह्म गिरि नामक पर्वत के पास स्थित है। इस शिवलिंग पर मकर राशि के जातकों को गंगाजल में गुड़ मिलाकर अभिषेक करने से शिव जी की कृपा प्राप्त हो सकती है।

केदारनाथ ज्योतिर्लिंग

केदारनाथ ज्योतिर्लिंग पवित्र तीर्थस्थलों में से एक है, जो उत्तराखंड में मंदाकिनी नदी के तट पर स्थित है। इस ज्योतिर्लिंग की पूजा-अर्चना कुंभ राशि के जातकों के लिए बहुत लाभकारी मानी गई है। इस राशि के जातकों को शिवलिंग का पंचामृत से अभिषेक करना चाहिए।

घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग

घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग महाराष्ट्र के औरंगाबाद में स्थित है। यह भी भगवान शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है। मीन राशि के जातकों के लिए इस ज्योतिर्लिंग की पूजा विशेष महत्व रखती है। ऐसे में आप इच्छापूर्ति के लिए दूध में केसर डालकर शिवलिंग अभिषेक कर सकते हैं।

Ind vs Eng Test : भारतीय टीम को खली विराट कोहली की कप्तानी की कमी

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने रोहित ब्रिगेड के जख्मों पर छिड़का नमक

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने हैदराबाद टेस्ट गंवाने वाली भारतीय टीम के जख्मों पर नमक छिड़कने का काम किया है। वॉन ने कहा कि इंग्लैंड ने जब हैदराबाद में 190 की बढ़त को उतारने के बाद वापसी की तो रोहित शर्मा दूसरी पारी में स्विच ऑफ हो गए थे। वॉन ने साथ ही कहा कि भारतीय टीम को विराट कोहली की कप्तानी की कमी खली।

नई दिल्ली। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन (Michael Vaughan) ने कहा कि अगर भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली (Virat Kohli) होते तो मेहमान टीम हैदराबाद में 190 रन से पिछड़ने के बाद मैच में वापसी नहीं कर पाती। वॉन ने रोहित शर्मा की रणनीति और हिम्मत हारने पर सवाल खड़ा किया क्योंकि भारत को हैदराबाद में खेले गए पहले टेस्ट में 28 रन की शिकस्त का सामना करना पड़ा था।

बता दें कि भारतीय टीम ने इंग्लैंड को हैदराबाद टेस्ट में पहली पारी में केवल 246 रन पर ऑलआउट किया और फिर पहली पारी के आधार पर 190 रन की बढ़त बनाई थी। हालांकि, दूसरी पारी में ओली पोप (196) की उम्दा पारी की बदौलत इंग्लैंड ने जोरदार वापसी की और भारत के सामने जीत के लिए 231 रन का लक्ष्य रखा। भारतीय टीम दूसरी पारी में 202 रन बनाकर ऑलआउट हो गई और मुकाबला 28 रन से गंवा बैठी। ओली पोप जब निचले क्रम के बल्लेबाजों के साथ साझेदारी कर रहे थे, तब रोहित शर्मा की कप्तानी पर सवाल खड़े हो रहे थे।

माइकल वॉन ने क्या कहा

टेस्ट क्रिकेट में भारत को शायद विराट कोहली की कप्तानी की काफी कमी खल रही है। विराट कोहली कप्तान होते तो भारतीय टीम हैदराबाद टेस्ट नहीं गंवाती। रोहित शर्मा लीजेंड और महान खिलाड़ी हैं। मगर मेरा मानना है कि वो पूरी तरह स्विच ऑफ हो गए थे। बता दें कि भारतीय टीम किसी टेस्ट की पहली पारी में 100 रन से ज्यादा बढ़त हासिल करने के बाद पहली बार घरेलू जमीन पर टेस्ट मैच हारी है। ध्यान देने वाली बात है कि विराट कोहली की कप्तानी में भारत ने टेट मैच में कभी विरोधी टीम को दूसरी पारी में 400 या ज्यादा रन बनाने नहीं दिए।

रोहित-कोहली की कप्तानी का फर्क

याद दिला दें कि 2022 में दक्षिण अफ्रीका दौरे के बाद विराट कोहली ने कप्तानी छोड़ दी थी। यह खबर हैरान करने वाली थी क्योंकि विराट कोहली ने लाल गेंद क्रिकेट में बतौर कप्तान काफी सफलता हासिल की थी। कोहली ने अपने कार्यकाल में 31 टेस्ट में केवल दो मैच गंवाएं। रोहित शर्मा ने 7 टेस्ट में ही दो मुकाबले गंवा दिए हैं। 12 टेस्ट के बाद भारतीय टीम पहली बार घर में तीन मैचों में विजयी नहीं रही।

चोटिल खिलाड़ियों से चिंतित भारत

बहरहाल, भारतीय टीम की कोशिश 2 फरवरी से विशाखापट्टनम में शुरू होने जा रहे दूसरे टेस्ट को जीतकर सीरीज 1-1 से बराबर करने की होगी। मगर भारतीय कप्तान रोहित शर्मा अपने चोटिल खिलाड़ियों से चिंतित हैं। विराट कोहली निजी कारणों से पहले दो टेस्ट से अपना नाम वापस ले चुके हैं। फिर केएल राहुल और रवींद्र जडेजा चोटिल होकर दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं।

किस स्थान पर मिला था बाबा खाटू श्याम का शीश, जानें कौन हैं हारे का सहारा?

भगवान खाटू श्याम की पूजा बेहद कल्याणकारी मानी गई है। उन्हें लोग हारे का सहारा के नाम से भी जानते हैं। ऐसा कहा जाता है कि जो जातक उनकी पूजा-अर्चना भक्ति भाव के साथ करते हैं उनकी हर समस्याओं का अंत तुरंत हो जाता है। साथ ही उनकी सभी इच्छाएं पूर्ण होती हैं। आज हम उनसे जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण बातों को साझा करेंगे जो इस प्रकार हैं-
भगवान खाटू श्याम को कलयुग का जाग्रत देवता माना गया है।
बाबा श्याम की पूजा बेहद कल्याणकारी मानी गई है।
खाटू श्याम की पूजा से भक्तों के जीवन का सभी कष्ट क्षण भर में समाप्त हो जाता है।

नई दिल्ली। भगवान खाटू श्याम को कलयुग का जाग्रत देवता माना गया है। उनकी पूजा से भक्तों के जीवन का सभी कष्ट क्षण भर में समाप्त हो जाता है। यही वजह है कि उन्हें %हारे का सहारा% कहा जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, बर्बरीक अपनी मां का आशीर्वाद लेकर और उन्हें हारे हुए पक्ष का साथ देने का वचन देकर महाभारत युद्ध में शामिल होने के लिए पहुंचे।

भगवान कृष्ण को उनके आने के बाद युद्ध के अंत की अनुभूति हुई कि अगर कौरव हारते हैं, तो अपनी मां को दिए हुए वचन के चलते बर्बरीक उनका साथ अवश्य देंगे, जिससे पांडवों की हार तय है। इन्हीं कारणों के चलते श्रीकृष्ण ने ब्राह्मण का वेष धारण कर बर्बरीक से शीश का दान मांगा, लेकिन घटोत्कच्छ पुत्र को इस बात से हैरानी हुई कि आखिर ब्राह्मण को उनका शीश क्यों चाहिए ?

इसी संशय में आकर उन्होंने ब्राह्मण को अपना असली परिचय देने को कहा, तब श्री कृष्ण ने उन्हें अपने विराट रूप में दर्शन दिए। इसके बाद बर्बरीक ने उनसे अंत तक महाभारत का युद्ध देखने की इच्छा जाहिर की और श्री कृष्ण ने उनकी यह बात स्वीकार कर उनका सिर सुदर्शन चक्र से अलग कर दिया।

कौन हैं बाबा श्याम ?

बर्बरीक जिन्हें आज खाटू श्याम नाम से जाना जाता है वे शक्तिशाली पांडव भीम के पोते और घटोत्कच्छ के पुत्र हैं। बाबा श्याम का संबंध महाभारत काल से है। बर्बरीक के अंदर अपार शक्ति और क्षमता थी, जिससे प्रभावित होकर श्रीकृष्ण ने उन्हें कलियुग में अपने नाम से पूजे जाने का आशीर्वाद दिया था।

कहां प्राप्त हुआ था बाबा खाटू श्याम का शीश?

ऐसा कहा जाता है कि खाटू श्याम का शीश राजस्थान के सीकर से प्राप्त हुआ था। उनका शीश प्राप्त होने के बाद लोगों ने उस स्थान पर मंदिर का निर्माण किया और कार्तिक माह की एकादशी तिथि को उनका शीश उसी मंदिर में स्थापित किया। तभी से भक्त इस दिन बाबा श्याम का जन्मदिन बड़ी धूमधाम के साथ मनाते हैं।

IND vs ENG: शुभमन गिल के समर्थन में उतरे जहीर खान, स्टार बल्लेबाज को लेकर कह दी बड़ी बात

शुभमन गिल की आलोचना तब शुरू हो गई जब इंग्लैंड के खिलाफ हैदराबाद में खेले गए पहले टेस्ट मैच की पहली पारी में शून्य पर और दूसरी पारी में मात्र 23 रन ही बना सके। दिग्गज क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने शुभमन गिल के शॉट सेलेक्शन पर चिंता जाहिर की। वहीं केविन पीटरसन का मानना है कि उन्हें स्ट्राइक रोटेट करने पर ध्यान देना चाहिए। शुभमन गिल के बचाव में उतरे जहीर खान।

नई दिल्ली। भारत के प्रिंस शुभमन गिल कुछ समय से आउट फॉर्म चल रहे हैं। इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले मैच में शुभमन गिल के बल्ले से रन नहीं निकले। ऐसे में उनकी आलोचना होनी शुरू हो गई है। वहीं, भारत के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान ने शुभमन गिल का बचाव किया है। उनका मानना है कि स्टार बल्लेबाज पर पारी के दौरान दबाव में नहीं था। हालांकि, वह सेट प्लेटफॉर्म का यूज नहीं कर पा रहे हैं। शुभमन गिल की आलोचना तब शुरू हो गई जब इंग्लैंड के खिलाफ हैदराबाद में खेले गए पहले टेस्ट मैच की पहली पारी में शून्य पर और दूसरी पारी में मात्र 23 रन ही बना सके। दिग्गज क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने शुभमन गिल के शॉट सेलेक्शन पर चिंता जाहिर की। वहीं, केविन पीटरसन का मानना है कि उन्हें स्ट्राइक रोटेट करने पर ध्यान देना चाहिए। साथ ही उन्हें टेस्ट क्रिकेट की टेक्निक विकसित करने पर ध्यान देना चाहिए।

शुभमन गिल को देने होंगे मौके

जिओ सिनेमा से बात करते हुए जहीर खान ने कहा कि शुभमन गिल पर पारी के दौरान कोई दबाव नहीं था। वह ओपनर द्वारा सेट प्लेटफार्म को यूज नहीं कर पा रहे हैं। हालांकि, हम सभी को पता है कि उनकी क्या क्षमता है। वह वापसी करना जानते हैं। जहीर खान का मानना है कि उन पर अच्छे प्रदर्शन का दबाव होगा, लेकिन हमें उनका समर्थन करने की जरूरत है और मौके देने होंगे।

Save Water
Save Tree
Save
Enviroment

घर में चाहते हैं सुख-समृद्धि, तो जान लें मंदिर से जुड़े वास्तु टिप्स

घर में मंदिर का होना बेहद जरूरी है। धार्मिक मान्यता के अनुसार मंदिर का सीधा संबंध हमारे भाग्य से होता है। इसलिए मंदिर बनवाते समय किसी वास्तु जानकार की सलाह जरूर लेनी चाहिए। ऐसे में अगर आपके भी घर में मंदिर है तो यहां दी गई महत्वपूर्ण बातों पर जरूर ध्यान दें, जो इस प्रकार हैं -

नई दिल्ली। घर में मंदिर का होना बहुत ही शुभ माना जाता है। यह घर का सबसे महत्वपूर्ण स्थान होता है। ऐसी मान्यता है कि मंदिर का सीधा संबंध हमारे भाग्य से होता है। इसलिए मंदिर बनवाते समय किसी वास्तु जानकार की सलाह जरूर लेनी चाहिए।

ऐसे में अगर आपके भी घर में मंदिर है, तो यहां दी गई महत्वपूर्ण बातों पर जरूर ध्यान दें, जो इस प्रकार हैं -

पूजा का जरूरी सामान

वास्तु शास्त्र के अनुसार, माला, दीपक, धूप, बाती, भोग, आदि चीजों को व्यवस्थित तरीके से रखना चाहिए। ऐसा करना बेहद जरूरी है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जो लोग इन सामान को व्यवस्थित रखते हैं उनका जीवन एक सही दिशा की ओर चलता है।

प्राकृतिक चीजें अवश्य रखें

घर के मंदिर में आम की पवित्र लकड़ी, फूल, गुग्गल, गंगाजल आदि रखने से भी मंदिर का वातावरण शुद्ध और साफ रहता है। इसलिए हर किसी को मंदिर में प्राकृतिक चीजें रखने की सलाह दी जाती है।

रोशनी की भरपूर मात्रा

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, पूजा घर में प्रकाश का होना बेहद महत्वपूर्ण होता है। ऐसा कहा जाता कि घर के मंदिर में भरपूर रोशनी होनी चाहिए। इससे घर में कभी पैसों की कमी नहीं होती है। साथ ही मां लक्ष्मी का घर में वास रहता है।

साफ-सफाई का रखें ध्यान

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, पूजा घर को हमेशा साफ-सुथरा रखना चाहिए। ऐसा कहा जाता जिन लोगों का मंदिर साफ और व्यवस्थित होता है, उन्हें आध्यात्मिक ज्ञान के साथ भगवान का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

Forts in Udaipur: उदयपुर के ये 3 किले हैं 'सिटी ऑफ लेक' की शान, एक बार जरूर करें इनका दीदार

Forts in Udaipur सिटी ऑफ लेक के नाम से मशहूर उदयपुर देश ही नहीं दुनिया में भी काफी मशहूर है। यह घूमने के साथ शादियों के लिए एक बढ़िया डेस्टिनेशन है। यही वजह है कि यहां हर साल भारी संख्या में लोग घूमने आते हैं। यहां कई खूबसूरत किले और महल भी मौजूद हैं।

HIGHLIGHTS

उदयपुर राजस्थान का एक मशहूर शहर है।
इसकी खूबसूरती की वजह से कई लोग यहां घूमने आते हैं।
यहां कई खूबसूरत महल और किले मौजूद हैं।

नई दिल्ली। Forts in Udaipur: धरोहरों का देश भारत अपने समृद्ध इतिहास और संस्कृति के लिए जाना जाता है। यहां कई ऐसी ऐतिहासिक जगह मौजूद हैं, जिन्हें देखने दूर-दूर से लोग भारत आते हैं।

पर्यटन के लिहाज से भारत दुनियाभर में काफी लोकप्रिय है। यही वजह है कि यहां की खूबसूरती और ऐतिहासिक धरोहरों को देखने के लिए देश ही नहीं, विदेश से भी लोग यहां भारी संख्या में आते हैं।

राजस्थान भारत का एक ऐसी ही पर्यटन स्थल है, जो दुनियाभर के टूरिस्ट्स के बीच काफी मशहूर है। यह राज्य अपने कल्चर और खानपान के लिए काफी मशहूर है। उदयपुर इस राज्य का एक बेहद खूबसूरत और लोकप्रिय टूरिस्ट डेस्टिनेशन है। यहां हर साल भारी संख्या में लोग घूमने आते हैं।

इसे झीलों का शहर यानी सिटी ऑफ लेक भी कहा जाता है। साथ ही यह एक पॉपुलर वेडिंग डेस्टिनेशन भी है। इन सबके अलावा यहां कई खूबसूरत किले भी मौजूद हैं। अगर आप भी किले घूमने के शौकीन हैं,तो उदयपुर में मौजूद इस जगहों का दीदार जरूर करें।

उदयपुर का किला

उदयपुर का किला, जिसे वर्तमान में सिटी पैलेस के नाम से जाना जाता है, देश का दूसरा सबसे बड़ा किला है। यह किला पिछोला झील के पूर्वी तट पर स्थित है, जिसे 16वीं शताब्दी में बनाया गया था। इस पैलेस में राजपूत और मुगल शैली की झलक देखने को मिलती है।

यह देश ही नहीं विदेश में भी लोगों के बीच शादियों के लिए एक मशहूर वेडिंग डेस्टिनेशन है। साथ ही यहां कई बॉलीवुड फिल्मों की शूटिंग भी हो चुकी है।

कुंभलगढ़ किला

अगर आप उदयपुर घूमने आए हैं, तो कुंभलगढ़ किला जरूर जाएं। उदयपुर से 2 घंटे की दूरी पर स्थित यह किला भी यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल है। इस किले की विशाल दीवार की तुलना अक्सर चीन की महान दीवार से की जाती है।

इस किले को मेवाड़ साम्राज्य के लिए एक रणनीतिक गढ़ के रूप में बनाया गया था।

अपनी वास्तुशिल्प के लिए मशहूर यह किला पर्यटकों के बीच आकर्षण का केंद्र बना रहता है।

चित्तौड़गढ़ किला

चित्तौड़गढ़ किला, एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है। यह भारत के सबसे बड़े और ऐतिहासिक किलों में से एक है। यह किला उदयपुर से लगभग 112 किलोमीटर दूर चित्तौड़गढ़ जिले में स्थित यह स्थित है। यह किला मेवाड़ साम्राज्य की तत्कालीन राजधानी थी। 7वीं शताब्दी ईस्वी बनाया गया यह किला राजपूतों के अटूट गौरव और वीरता का प्रतीक है।

Forts in Jodhpur: जोधपुर का इतिहास बताते हैं ये 4 किले, ब्लू सिटी जाएं तो जरूर करें इनकी सैर

Forts in Jodhpur ब्लू सिटी के नाम से मशहूर राजस्थान का शहर जोधपुर अपनी ऐतिहासिक धरोहरों के लिए काफी मशहूर है। मारवाड़ साम्राज्य की राजधानी रहा यह शहर अब लोकप्रिय पर्यटन स्थल बन चुका है जहां हर साल भारी संख्या में लोग घूमने आते हैं।

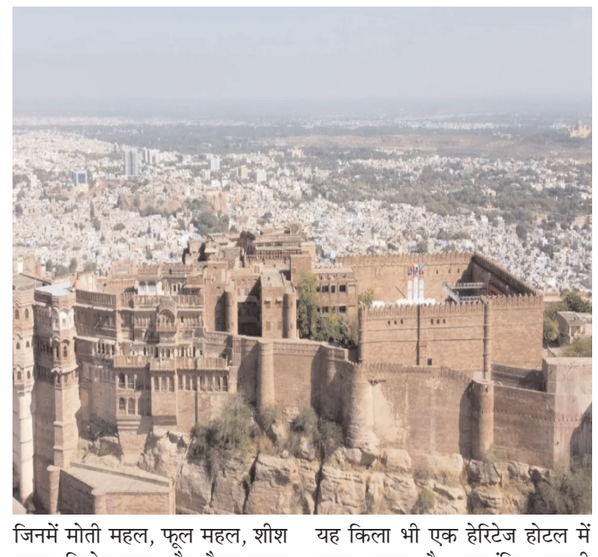

नई दिल्ली। Forts in Jodhpur: भारत अपनी विविधताओं के लिए दुनियाभर में जाना जाता है। यहां कई खूबसूरत जगह और ऐतिहासिक इमारतें मौजूद हैं, जिसे देखने दूर-दूर से लोग हमारे यहां आते हैं। राजस्थान देश का ऐसा ही एक राज्य है, जो अपनी अनोखी परंपराओं और संस्कृति के लिए दुनियाभर में जाना जाता है। यहां की खूबसूरती से आकर्षित होकर दूर-दूर से लोग भारत खिंचे चले आते हैं। इस राज्य के हर एक शहर की अपनी अलग खासियत है। जोधपुर ऐसा ही एक शहर है, जिसे ब्लू सिटी के नाम से भी जाना जाता है। यह शहर एक समय मारवाड़ साम्राज्य की राजधानी हुआ करता था। वर्तमान में यह एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल और एक प्रमुख महानगर है। यहां कई हिंदू शासकों, विशेषकर राजपूतों ने शासन किया, जिसकी झलक आज भी इस शहर में देखने को मिलती है। यहां कई ऐसे किले मौजूद हैं, जो शहर की सांस्कृतिक विरासत और इतिहास को दर्शाता है।

मेहरानगढ़ किला

जोधपुर स्थित मेहरानगढ़ किला इस शहर की शान है। लगभग 125 मीटर ऊंची पहाड़ी की चोटी पर स्थित यह किला करीब 500 साल पुराना है। इस किले को बनाने की शुरुआत 15वीं शताब्दी में राव जोधा ने की थी, लेकिन इसके निर्माण का कार्य महाराज जसवंत सिंह ने पूरा किया था। यह भारत के सबसे पुराने और विशाल किलों में से एक है। बेहद खूबसूरत इस किले की नक्काशी आपका मन मोह लेगी। इस किले के अंदर कई भव्य महल मौजूद हैं, जिनमें मोती महल, फूल महल, शीश महल, सिलेह खाना और दौलत खाना शामिल हैं।

रोहितगढ़ किला

अगर आप जोधपुर घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो रोहितगढ़ किला जरूर जाए। शहर के ठीक बाहर स्थित यह किला अपनी खूबसूरती के साथ ही अपनी विरासत के लिए भी जाना जाता है। 16वीं शताब्दी से राठौड़ शाही परिवार का निवास रहा यह किला अब एक हेरिटेज होटल में तब्दील हो चुका है। थार रेगिस्तान के पास बने इस किले के पास एक छोटी झील भी है, जो इसकी खूबसूरती में चार चांद लगा देती है। यहां मौजूद रंग-बिरंगे फूल, पौधों और नाचते मोर आपका दिल जीत लेंगे।

लूनी चानवा किला

आप जोधपुर में मौजूद इस किले का भी दीदार कर सकते हैं। वर्तमान में यह किला भी एक हेरिटेज होटल में बदल चुका है। हालांकि, इसकी खासियत यह है कि इस होटल के हर एक कोने पर आपको राजस्थानी राजघराने की झलक देखने को मिलेगी। आप यहां मौजूद कमरों की बालकनी से प्राचीन झील के मनमोहक दृश्य का आनंद ले सकते हैं।

खेजर्ला किला

ब्लू सिटी में मौजूद खेजर्ला किला भी अपनी विरासत को समेटे हुए आपको राजस्थानी संस्कृति की झलक दिखाएगा। शहर के इस मशहूर किले का एक बड़ा हिस्सा अब एक हेरिटेज होटल में बदल दिया गया है, जहां आप अपनी ट्रिप के दौरान रुक भी सकते हैं। हालांकि, इस किले के कुछ हिस्से आज भी मूल रूप में ही हैं, जो आपको इतिहास में झांकने का मौका देंगे।

प्राण प्रतिष्ठा के बाद टेलीविजन पर लौट रही है रामायण जानें कब और कहां देख सकते हैं रामानंद सागर का शो

Ramayan रामानंद सागर की डिवाइन सागा रामायण वर्षों पुरानी होने के बाद भी लोगों की फेवरेट बनी हुई है। इस शो को दोबारा टेलीकास्ट किए जाने को लेकर काफी डिमांड रहती है। इस बीच फैंस के लिए गुड न्यूज है। रामानंद सागर की रामायण को दोबारा से टेलीकास्ट किया जाएगा। इसे कब और किस प्लेटफॉर्म पर टेलीकास्ट किया जाएगा इसके लिए पढ़िये ये रिपोर्ट।

प्राण प्रतिष्ठा के बाद टेलीविजन पर लौट रही है रामायण जानें कब और कहां देख सकते हैं रामानंद सागर का शो

HIGHLIGHTS

रामानंद सागर की रामायण है काफी फेमस
टीवी पर लौट रहा है रामायण
अरुण गोविल और दीपिका चिखलिया बने थे भगवान राम और सीता

पौराणिक टीवी सीरियल्स में रामायण और महाभारत की थीम पर बने कई शो बन चुके हैं। मगर इनमें सबसे फेमस रामानंद सागर (Ramanand Sagar) की रामायण है, जिसके लिए आज भी अरुण गोविल (Arun Govil), दीपिका चिखलिया (Dipika Chikhlia) और सुनील लहरी (Sunil Lehri) को याद किया जाता है।

फिर टेलीकास्ट होगा रामायण

1987 में शुरू हुआ यह शो कम समय में फेमस हो गया। इसके बाद त्रेता युग की कहानी को दिखाते हुए कितने ही शो बने, लेकिन कोई भी रामानंद सागर की रामायण को टक्कर नहीं दे सका। इस शो को दोबारा देखने के लिए दर्शकों ने काफी उत्सुकता दिखाई है। ऐसे में उनके लिए गुड न्यूज सामने आई है। रामायण एक बार फिर टेलीविजन पर कास्ट किया जाएगा। इसे किस प्लेटफॉर्म पर टेलीकास्ट किया जाएगा, आइये जानते हैं।

एक्स प्लेटफॉर्म (पहले ट्विटर) पर दूरदर्शन के पेज से ट्वीट किया गया है कि छोटे पर्दे की दुनिया पर रामायण लौट रहा है। इस प्लेटफॉर्म पर लिखा गया, धर्म, प्रेम, और समर्पण की अद्वितीय गाथा...एक बार फिर आ रहा है पूरे भारत का सबसे लोकप्रिय शो रामायण जल्द देखिए DDNational पर।

फैंस की डिमांड, शुरू हो ये शो भी

इस पोस्ट के सामने आने के बाद फैंस ने खुशी जताई है। उन्होंने %जय श्रीराम% लिखकर शो के शुरू होने की खुशी जताई। इसी के साथ ये भी डिमांड की कि श्रीकृष्ण पर बने शो को भी दोबारा शुरू किया जाए।

रामायण में अरुण गोविल और दीपिका चिखलिया को एक बार फिर भगवान राम और माता सीता बने देखने के लिए फैंस एक्साइटेड हैं।

Steamed Breakfast: वेट लॉस जर्नी के लिए खोज रहे हैं परफेक्ट ब्रेकफास्ट ऑप्शन, तो ट्राई करें ये 5 स्टीम्ड डिशेज

इन दिनों कई लोग अपने बढ़ते वजन से परेशान हैं। ऐसे में अपना वजन मेंटेन रखने के लिए लोग अक्सर डाइटिंग करते हैं। हालांकि डाइटिंग के दौरान दिनभर खाने के लिए कई विकल्प आसानी से मिल जाते हैं लेकिन नाश्ते के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ती है। ऐसे में आप इन 5 स्टीम्ड ब्रेकफास्ट (Steamed Breakfast) को रूटीन का हिस्सा बना सकते हैं।

HIGHLIGHTS

सर्दियों में अक्सर कई वजहों से वजन बढ़ने लगता है।
ऐसे में इस मौसम अपना वजन बनाए रखना मुश्किल हो जाता है।
आप कुछ स्टीम्ड ब्रेकफास्ट ट्राई कर अपना वटन मेंटेन कर सकते हैं।

नई दिल्ली। सर्दियों में अक्सर अपने वजन को बनाए रखना काफी मुश्किल होता है। इस मौसम में अक्सर भूख ज्यादा लगती है और फिजिकल एक्टिविटी कम हो जाती है, जिसकी वजह से हमारा वजन बढ़ने लगता है। ऐसे में अपना वजन मेंटेन रखने के लिए खानपान का खास ख्याल रखना पड़ता है। वेट मेंटेन करने के लिए फॉलो की जाने वाली डाइट में दिनभर खाने के लिए कई सारे विकल्प होते हैं, लेकिन सुबह के नाश्ते के लिए अक्सर काफी सोचना पड़ता है।

अगर आप भी अपना वेट कंट्रोल करने की कोशिश में लगे हुए हैं और इसके लिए कोई परफेक्ट ब्रेकफास्ट ऑप्शन तलाश रहे हैं, तो आज इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे नाश्ते के लिए कुछ ऐसी स्टीम्ड डिशेज, जो स्वादिष्ट होने के साथ ही आपके वेट लॉस जर्नी में भी आपका साथ देंगी।

ढोकला

ढोकला एक मशहूर गुजराती डिश है, जिसे देशभर में बड़े चाव से खाया जाता है। इसे बेसन के घोल से बनाया जाता है। भाप में पका होने की वजह से यह आपको बड़ी संख्या में कैलोरी बचाने में मदद करता है। चूंकि इसे डीप फ्राई नहीं किया जाता है, इसलिए इसमें कोलेस्ट्रॉल भी कम होता है। इसे बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाला बेसन और दही प्रोटीन और कैल्शियम का बढ़िया स्रोत होते हैं।

इडली

देशभर में दक्षिण भारतीय व्यंजनों को बड़े चाव से खाया जाता है। भारत में मिलने वाले ज्यादातर स्नैक्स के विपरीत इडली को तेल में तला नहीं जाता है। यही वजह है कि यह वेट लॉस कर रहे लोगों के लिए एक बढ़िया ब्रेकफास्ट ऑप्शन है। इसमें चिकनाई की मात्रा बहुत कम होती है, इसलिए कैलोरी भी काफी कम होती है।

सिद्दू

सिद्दू एक क्लासिक हिमाचली स्टीम्ड डिश है, जिसमें पारंपरिक रूप से ब्रेड का आटा तैयार करने के लिए मैदा, खमीर, घी और नमक का इस्तेमाल किया जाता है। आप इसे थोड़ा हेल्दी बनाने के लिए मैदे की जगह आटे का उपयोग कर सकते हैं। मीठे या नमकीन सिद्दू का आनंद नाश्ते या शाम के नाश्ते के रूप में लिया जा सकता है।

दाल फर्रा

यह एक एक स्वादिष्ट उत्तर भारतीय दाल पकौड़ी, दोपहर के भोजन या फिर नाश्ते के रूप में खाया जा सकता है। इसमें इस्तेमाल होने वाले स्टीम्ड पकौड़े में स्टफिंग के लिए दाल के स्वादिष्ट मिश्रण का इस्तेमाल होता है। आम तौर पर चना, उड़द और मटर दाल के साथ बनाया जाने वाला फर्रा स्वास्थ्य और स्वाद दोनों के लिए बहुत अच्छा होता है।

पाथोली

पाथोली एक स्टीम्ड मिठाई है ,जो मैंगलोर और इसके आसपास क्षेत्रों में त्योहारों के दौरान बनाई जाती है। इसे चावल, सूखे नारियल, गुड़ और इलायची पाउडर से बने मीठे पेस्ट को पत्ते पर फैलाकर बनाया जाता है।

इन सस्ते और आसान उपायों से करें गर्दन से लेकर अंडरआर्म्स व लिप्स तक का कालापन दूर

क्या आप भी गर्दन कोहनी घुटने लिप्स और उसके आसपास के एरिया के कालेपन से परेशान हैं और इसे दूर करने का कोई आसान व सटीक उपाय ढूंढ रहे हैं तो इसके लिए यहां दिए गए टिप्स पर डालें एक नजर। किचन में मौजूद इन चीज़ों की मदद से काफी हद तक दूर की जा सकती है स्किन डार्कनेस की प्रॉब्लम।

HIGHLIGHTS

शरीर के जिस हिस्से पर मेलनिन ज्यादा होता है, वहां की स्किन डार्क होती है।
आलू, नींबू में ब्लीचिंग तत्व होते हैं, जो स्किन डार्कनेस को दूर करते हैं।

नई दिल्ली। Skin Whitening Remedies: हमारी त्वचा मौसम के अनुसार रंग बदलती है। सर्दियों में जहां स्किन की रंगत साफ होने लगती है, वहीं गर्मियों में थोड़ी देर ही धूप के एक्सपोजर से टैनिंग हो जाती है। टैनिंग के अलावा कुछ लोगों की स्किन वैसे भी कहीं-कहीं डार्क होती है।

किसी के अंडरऑर्म्स डार्क हैं, तो किसी के घुटने और कोहनी से, तो वहीं कुछ लोग इंटीमेट एरिया के कालेपन से परेशान रहते हैं। शरीर के इन सभी एरिया की डार्कनेस दूर करने के अलग-अलग उपाय हैं। जिससे स्किन को काफी हद तक लाइट किया जा सकता है। आइए जानते हैं ऐसे ही कुछ आसान व नेचुरल उपायों के बारे में।

लिप्स

त्वचा को कलर देने वाला पिग्मेंट, जिसे मिलेनिन कहते हैं, शरीर के जिस हिस्से पर ज्यादा होता है, वहां की स्किन डार्क दिखने लगती है। अगर आपके लिप्स बहुत ज्यादा डार्क हैं, तो इसके लिए एक टीस्पून शहद में आधा टीस्पून चीनी मिलाएं और दोनों को मिला लें।

अब इससे होंठों की स्क्रबिंग करें। 5 मिनट रखने के बाद गुनगुने पानी से धो लें। लिप्स को मॉयश्चराइज करने के लिए बादाम का तेल लगाएं। इस स्क्रब को हफ्ते में 2-3 बार से ज्यादा न इस्तेमाल करें।

अंडरआर्म्स

अंडरआर्म्स की डार्कनेस बहुत कॉमन है और इससे छुटकारा दिलाने के लिए मार्केट में तमाम तरह के क्रीम और जेल मौजूद हैं, लेकिन अगर आप नेचुरल उपाय की तलाश में हैं, तो बस एक कच्चा आलू लेना है और इसे अपने अंडरआर्म्स पर रगड़ना है। आलू में ब्लीचिंग एजेंट मौजूद होते हैं, जो स्किन को लाइट करने का काम करते हैं।

इसे और ज्यादा असरदार बनाने के लिए आलू के ऊपर नींबू की कुछ बूंदें भी डाल लें। कम से कम 15 मिनट लगाकर रखें फिर धो लें।

गर्दन

स्किन के मेलनिन इफेक्ट को बैलेंस करने में एलोवेरा जेल बेहद प्रभावी होता है। जो आपको आसानी से मिल जाएगा और इसका इस्तेमाल भी काफी आसान है। बस एलोवेरा जेल लेकर इससे गर्दन की हल्के हाथों से मसाज करें। 15-20 मिनट लगाकर रखें फिर धो लें।

मुंह के आसपास की स्किन

लिप्स के आसपास, कान के पास, फोरहेड की स्किन अगर डार्क नजर आ रही है, तो इससे छुटकारा पाने शहद, दही और नींबू की जरूरत होगी। तीनों चीज़ों को मिलाकर गाढ़ा सा पेस्ट बनाएं। इस पेस्ट को उन-उन एरिया पर अप्लाई करें जहां की स्किन डार्क है। हल्का सूखने के बाद इसे नॉर्मल पानी से धो लें।

कोहनी और घुटने

कोहनी और घुटने का कालापन दूर करने के लिए नींबू काफी होगा। नींबू में भी ब्लीचिंग प्रॉपर्टीज होती हैं, जिसके लगातार इस्तेमाल से स्किन लाइट होने लगती है। बस नींबू का एक टुकड़ा लें और इसे कोहनी व घुटनों पर रगड़ें। 10 मिनट बाद गुनगुने पानी से धो लें।

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 8770664886

बोर्ड परीक्षाओं को देखते हुए धारा 144 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी, जिले में ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर प्रतिबंध

नीमच। माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल के निर्देशानुसार माध्यमिक शिक्षा मण्डल, भोपाल की कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं 5 फरवरी 2024 से प्रारंभ होकर 5 मार्च 2024 तक प्रातः 9 से दोपहर 12 बजे तक जिलें में 40 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित होगी। परीक्षा के सफल आयोजन हेतु ध्वनी विस्तारक यंत्रों पर एवं अन्य प्रतिबंध लगाना आवश्यक है।

नीमच जिले में परीक्षा को दृष्टिगत रख जिला दण्डाधिकारी दिनेश जैन व्दारा दण्ड प्रकिया संहिता 1973 की धारा 144 के प्रावधानों के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश लागू किए गए है।

इस आदेश के तहत मध्यप्रदेश मान्यता प्राप्त परीक्षा अधिनियम, 1937 के प्रावधानानुसार परीक्षा प्रारम्भ होने के दो घण्टे पूर्व से लेकर परीक्षा पूर्ण होने तक परीक्षा केन्द्रों से 100 गज की दूरी के अन्दर किसी अनाधिकृत व्यक्तियों तथा अवांछनीय गतिविधियों पर रोक रहेगी। अभाविकृत व्यक्तियों का बेमतलब प्रवेश व घूमने, कागज या अन्य वस्तुओं का वितरण या प्रचार-प्रसार ऐसी वस्तुओं का उपयोग जिसका प्रयोग आक्रामक आयुध के रूप में किया जा सकता है, परीक्षा से संबंधित अधिकारी, वीक्षक (इन्वीजिलेटर), कर्मचारीगण को डराने का प्रयास इत्यादि का उल्लेख है। प्रत्येक केन्द्र में इस विषय में सतर्क रहना आवश्यक है।

परीक्षा केन्द्र पर अनाधिकृत व्यक्तियों तथा अवांछनीय गतिविधियों पर पूर्णत: रोक रहेगी।

नकल, सामुहिक नकल, गोपनीयता भंग करने का प्रयास, सोशल मीडिया के माध्यम से भ्रामक जानकारी फैलाने का प्रयास करते पाया जाता है तो उनके विरुद्ध अन्य सुसंगत अधिनियमों के साथ-साथ परीक्षा अधिनियम 1937 की धाराओं के तहत पुलिस में एफ आई आर दर्ज कराई जाएगी। यह भी सुनिश्चित करें कि छात्र छात्राओं की तलाशी का कार्य शालीनता किन्तु दृढता से किया जाये।

छात्राओं की तलाशी सिर्फ शिक्षिकाओं द्वारा ही की जावे। तलाशी का कार्य परीक्षा कक्ष के अंदर किसी वर्दीधारी व्यक्ति द्वारा कतई न किया जाए। सुरक्षा व्यवस्थाओं के बावजूद यदि कोई व्यक्ति अथवा संस्थान सामूहिक नकल करने अथवा कराने में लिप्त पाया जाता है, तो ऐसे व्यक्तियों को चिन्हांकित किया जाकर, उसके विरुद्ध मध्यप्रदेश मान्यता प्राप्त परीक्षा अधिनियम 1937 तथा अन्य संगत अधिनियमों के अंतर्गत वैधानिक कार्यवाही की जावेगी।

शासन एवं मण्डल निर्देशों के अनुक्रम में चयनित संवेदनशील अति संवेदनशील परीक्षा केन्द्रों पर दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 अनुसार निषेधाज्ञा लगाई गई है, ऐसा करने से प्रशासन को 5 या उससे अधिक लोगों की अनाधिकृत मौजूदगी परीक्षा केन्द्र के आस-पास होने की दशा में उन्हें तितर-बितर, गिरफ्तार करने के स्वत: कानूनी अधिकार प्राप्त हो जायेंगे।

विद्यार्थियों के लिए परीक्षा की तैयारी हेतु अनुकूल वातावरण को दृष्टिगत रखते हुए ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर प्रतिबंध रहेगा।माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल की कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं हेतु नीमच जिले के परीक्षा केन्द्रों की परिधि से 200 मीटर को परिधि में ध्वनी विस्तारक यंत्र के साथ साथ उक्तानुसार पूर्णत: प्रतिबंध रहेगा।

यदि कोई उपरोक्त आदेश का उल्लंघन करते हुए पाया गया तो उसके विरूद्ध भारतीय दण्ड संहिता के प्रावधानों के तहत अभियोजन किया जावेगा। यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

शिव परिवार सामाजिक एकता का संदेश देता हैं -पंडित प्रमोद उपाध्याय

धर्म सत्संग: बगीचा नंबर 10 में शिव पुराण कथा का आयोजन

नीमच। कुबेरेश्वर महिला मंडल बगीचा नंबर 10 क्षेत्रवासियों द्वारा क्षेत्र की सुख समृद्धि एवं सुख शांति की प्रार्थना के साथ शिव महापुराण कथा आयोजित की गई। बगीचा नंबर 10 स्थित में भक्ती पांडाल में आयोजित शिव पुराण के मध्य भागवताचार्य पंडित प्रमोद महाराज मनासा ने कहा कि शिव पशुपति है अर्थात सभी जीवो के देवता भी है इसलिए सारे जीव कीड़े मकोड़े और पशु पक्षी उनके परिणय विवाह में उपस्थित हुए यहां तक की भूत पिशाच यक्षघ् किन्नर और अर्ध विक्षिप्त लोग भी उनके विवाह में अतिथि बनकर सहभागी बने थे।

उन्होंने कहा कि मुनि नारद जी ने बताया था कि भगवान शिव स्वयंभू है। उन्होंने कहा कि जहां भगवान शिव का मंडप बनता है तोघ् उसके ऊपर मोगरा लगाना चाहिए इससें एक अश्वमेध यज्ञ का पुण्य फ्ल प्राप्त होता है। शिव पुराण की कथा में शिव परिवार सामाजिक एकता का संदेश देता है। शिव परिवार प्रेम के साथ जीवन जीने का संदेश देता है । पाप की भागीदारी करना और पाप को देखना भी महा पाप होता है इससे सदैव बचना चाहिए। तपस्या करें तो कर्म का फ्ल अवश्य मिलता है। भजन मुक्ति का साधन है भक्ति का मार्ग है। वृत तपस्या करेंगे तो फ्ल भी हमें ही मिलेगा। यदि हम बुरे कर्म करेंगे तो फ्ल भी हमें ही भोगना पड़ेगा। जीवन बहुमूल्य है कर्म का परिश्रम हमको स्वयं को ही करना होगा।यदि हम रोगी है तो दवाई का सेवन भी हमें ही करना होगा तभी हम स्वस्थ हो सकते हैं। हम यदि किसी पर हंसगे तो कल परमात्मा हमारा भी यही हाल कर सकता है। एकादशी का व्रत करना चाहिए इसके नियमों का पालन करना चाहिए। भजन सत्संग में दिखावा नहीं करना चाहिए। भगवान की भक्ति नियम पूर्वक करना चाहिए। मोन व्रत करने से वाक्य सिद्धि प्राप्त होती है।

भोजन बनाते समय धन कीर्तन करना चाहिए संसार की व्यर्थ बातें नहीं करना चाहिए। भोजन प्रसाद के रूप में ग्रहण करना चाहिए। भोजन आसन पर बैठकर ही ग्रहण करना चाहिए खड़े-खड़े भोजन नहीं करना चाहिए। भोजन और भजन पर्दे में रहना चाहिए। धर्म कथा सत्संग मन से एकाग्रता व ध्यान पूर्वक सुनना चाहिए तभी जीवन का कल्याण हो सकता है। पहली रोटी गाय को ग्रहण करवाना चाहिए। महाराज श्री ने तारकासुर वध, विधुत माली प्रसंग, समुद्र मंथन के समय महादेव विषपान, महादेव द्वारा सृष्टी की रचना,मोहिनी, भस्मासुर और संहार,आदि विषयों पर प्रकाश डाला।शिव महापुराण पोथी पूजन आरती में पूर्व विधायक नंदकिशोर पटेल, कांग्रेस नेता बृजेश मित्तल, क्षेत्रीयघ् नपा परिषद पार्षद श्रीमती किरण शर्मा, ललित पाटीदार, विद्या देवी गिरजा शंकर परिहार,सुनिता देवी, सहित क्षेत्र के बड़ी संख्या में विभिन्न श्रद्धालु भक्त उपस्थित थे।

रिद्धि सिद्धि गणपति विवाह में झूमे श्रद्धालु

शिव पुराण के मध्य जब पंडित प्रमोद उपाध्याय ने रिद्धि-सिद्धि गणपति विवाह का विषय बताया तो श्रद्धालु रिद्धि सिद्धि गणपति की जय घोष लगने लगी। शिव पुराण में उपस्थित श्रद्धालुओं द्वारा पुष्प वर्षा कर आशीर्वाद ग्रहण किया गया। इस अवसर पर गणपति तुम आना रिद्धि साथ लेकर सिद्धि साथ लेकर चले आना भजन प्रस्तुत किया तो श्रद्धालु झूम उठे। रिद्धि का अभिनय खुशी योगी ,सिद्धि का प्रिया नामदेव, वघ् गणपति का अभिनय जया महावर ने तथा सखियों का अभिनय कुंबरेश्वर महादेव महिला मंडल महिलाओं ने प्रस्तुत किया।

Clean Neemuch
Green Neemuch

प्रदेश में श्रवण बाधित विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिये सांकेतिक भाषा की सुविधा

राज्य शिक्षा केन्द्र ने जिला कलेक्टर को लिखा पत्र

मंदसौर । प्रदेश में श्रवण बाधित विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की सुविधा के लिये आधारभूत कौशल कोर्स तैयार किया गया है। यह कोर्स 30 से 40 घंटे का भारतीय सांकेतिक भाषा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केन्द्र ने ऑनलाइन तैयार किया है। श्रवण बाधित विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को यह कोर्स प्रशिक्षण केन्द्र की वेबसाइट 222.islrtc.nic.in पर, यू-ट्यूब चेनल की लिंक पर तथा क्यू-आर कोड से डाउनलोड किया जा सकता है। जिला शिक्षा, जनपद और जनशिक्षा केन्द्रों के माध्यम से सभी स्कूलों में यह कोर्स बच्चों को उपलब्ध कराया जाना चाहिए, जिससे उन्हें अध्ययन में सुविधा हो सके। इस संबंध में विस्तृत जानकारी जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय एवं जिला परियोजना समन्वयक राज्य शिक्षा केन्द्र कार्यालय से प्राप्त की जा सकती हैं।

कक्षा 5 एवं 8 की वार्षिक परीक्षा के तृतीय भाषा के निर्देश

दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम के अंतर्गत कक्षा 5 व 8 के दृष्टिबाधित छात्रों के लिये गणित विषय के स्थान पर संगीत विषय का विकल्प चयन करने का प्रावधान है। राज्य शिक्षा केन्द्र ने परीक्षा सत्र 2023-24 में कक्षा 5 एवं 8 की वार्षिक परीक्षा में तृतीय भाषा के संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश जारी किये हैं। तृतीय भाषा अशासकीय शालाओं में मांग के अनुसार पंजाबी, गुजराती, उड़िया और संस्कृत है। कक्षा 8 में तृतीय भाषा के रूप में पंजाबी, गुजराती और उड़िया भाषा एवं राजगढ़ व बुरहानपुर जिलों में जिलों के अशासकीय विद्यालयों में कक्षा 5 में शालाओं की मांग के क्रम में अतिरिक्त भाषा के रूप में संस्कृत विषय का बच्चों को अध्ययन कराया गया है। राज्य शिक्षा केन्द्र में इन विषयों के प्रश्न पत्र डाईट स्तर पर निर्मित कराये जाने के संबंध में निर्देश दिये हैं। निर्देशों में कहा गया है कि जिले में दर्ज इन विषयों के बच्चों की वास्तविक संख्या के अनुसार प्रश्न पत्रों का निर्माण पूरी गोपनीयता के साथ समय-सीमा में किया जाए। इसका उत्तरदायित्व संबंधित जिला परियोजना समन्वयक का रहेगा।

राजस्व महाअभियान के तहत शत प्रतिशत नक्शा तरमीम का लक्ष्य पूर्ण करें-श्री जैन

कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों की बैठक में राजस्व महाअभियान की प्रगति की समीक्षा की

नीमच। प्रदेश के साथ ही नीमच जिले में चलाए जा रहे, राजस्व महाअभियान के तहत नक्शा तरमीम के लिए निर्धारित लक्ष्य की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित की जाए। सभी राजस्व अधिकारी आगामी एक सप्ताह तक नक्शा तरमीम के कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता से करवाये। राजस्व महाअभियान के तहत सभी पैरा मीटर्स पर जिले की रैकिंग सुधारने पर विशेष ध्यान दें। यह निर्देश कलेक्टर दिनेश जैन ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जिले के सभी राजस्व अधिकारियों की बैठक में राजस्व महाअभियान की प्रगति की बिन्दुवार,तहसीलवार समीक्षा करते हुए दिए। बैठक में एडीएम सुश्री नेहा मीना, एसडीएम नीमच, जावद तथा सभी तहसीलदार एंव नायब तहसीलदार उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्री जैन ने निर्देश दिए, कि राजस्व अधिकारी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत शेष रहे,खातेदारों के आधार,बैंक खाते से लिंक करवाये। अविवादित नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, के प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करें। समय-सीमा से बाहर हो गये, प्रकरणों को सर्वोच्च प्राथमिकता से एक सप्ताह में निराकृत करें। कलेक्टर ने निर्देश दिए, कि सभी राजस्व अधिकारी सीमांकन के लंबित सभी प्रकरणों का तत्काल निराकरण करवाकर, आरसीएमएस में दर्ज करवाये। विवादित नामांतरण, बंटवारा के प्रकरणों में 7 दिवस की विज्ञप्ति का प्रकशन कर, प्रकरणों का निराकरण करें।

एडीएम सुश्री नेहा मीना ने राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए, कि जिले में कोई भी फौती नामांतरण, बंटवारा का प्रकरण लंबित ना रहे। शत-प्रतिशत फौती नामांतरण सुनिश्चित करवाये। एडीएम ने सख्त निर्देश दिए, कि राजस्व महाअभियान के पश्चात एक भी फौती नामांतरण का प्रकरण लंबित नही रहना चाहिए। यदि कोई प्रकरण लंबित होना पाया जायेगा, तो संबंधित पटवारी के साथ ही राजस्व अधिकारी के विरूद्ध भी कार्यवाही की जावेगी। बैठक में बताया गया, कि जिले में स्वामित्व योजना के तहत बेहतर कार्य हुआ है। एडीएम ने निर्देश दिए, कि स्वामित्व योजना के व्दितीय प्रकाशन से शेष रहे, ग्रामों का प्रकाशन समय-सीमा में करवाये और स्वामित्व योजना के प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करवाये।

शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर रास्ता रोकने के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर ज्ञापन सोपा

नीमच। समीपवर्ती ग्राम रेवली देवली निवासी शांतिलाल पिता स्वर्गीय गणपत लाल नागदा ,चंद्रशेखर पिता मांगीलाल नागदा ने जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर मंगलवार को शासकीय भूमि पर अतिक्रमण का रास्ता रोकने के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर एक ज्ञापन सौंपा।

उन्होंने जिला कलेक्टर को प्रस्तुत हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन के माध्यम से बताया कि पूर्व में जनसुनवाई में दी गई शिकायत वर्ष 2018 से वर्तमान तक शिकायत का निराकरण नही होने के कारण ग्राम रेवली देवली तहसील नीमच में स्थित शासकीय भूमि सर्वे नम्बर 187 पर अवैध निर्माण कार्य कर अतिकामक राधेश्याम पिता श्रीलाल नागदा एवं अशोक पिता राधेश्याम नागदा द्वारा अवैध रुप से अतिक्रमण कर आम रास्ता अवरुद्ध कर दिया है जिसकी शिकायत ग्रामवासियों द्वारा पूर्व में की जनसुनवाईयों में की गई थी जिस पर न्यायालय नायब तहसीलदार नीमच के प्रकरण कमांक 115/री-2/2018 आदेश दि. 13.08.2018 के परिपालन में उक्त व्यक्तियों द्वारा किये गये अतिक्रमण को हटवाया था किंतु इनके द्वारा पुन: अतिकमण कर लिया और उक्त व्यक्तियों द्वारा कहा जाता है कि शासन मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकता है और रास्ता अवरुद्ध ही रहेगा, तुम से जो हो वहाँ शिकायत करो। इस प्रकार उक्त व्यक्तियों पर कार्यवाही नहीं होने के कारण उनके हौसले बुलंद हो रहे है जिससे आम ग्रामवासियों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इनके द्वारा रास्ता अवरुद्ध करने के कारण आवाजाही में समस्या हो रही है और वर्तमान में प्रार्थीगणों के परिवार में शादी का कार्यकम है किंतु रास्ता अवरुद्ध होने से परिवारजन को वैवाहिक कार्यक्रम संचालन करने में समस्या हो रही जिला कलेक्टर के समक्ष अंतिम रुप से आवेदन पत्र पेश कर पुन: इस आस एवं विश्वास के साथ निवेदन है कि प्रशासन उक्त समस्या का त्वरित निराकरण करेगा और उक्त अतिकामकों को उचित वैधानिक कार्यवाही कर दण्डित करेगा। जिससे भविष्य में कोई इस प्रकार शासकीय भूमि पर अतिक्रमण करने का दुस्साहस नहीं करें। उक्त समस्या का निराकरण कर रास्ता खुलवाने की मांग की।

बघाना के चिकन मटन व्यवसाईयों ने सील दुकान खोलने की मांग को लेकर कलेक्टर के समक्ष सौंपा आवेदन

नीमच। शहर के उप नगर बघाना क्षेत्र में चिकन मटन व्यवसाईयों द्वारा प्रशासन द्वारा सील की गई दुकानों को पुन: प्रारंभ करने की मांग को लेकर एक आवेदन मंगलवार को कलेक्टर की जनसुनवाई में सौंपा।

जिसमें बघाना के चिकन मटन व्यवसाययों ने बताया कि वह लोग उपनगर बघाना के निवासी होकर बघाना क्षेत्र में चिकन मटन का व्यवसाय करते हैं और परिवार का पालन पोषण करते आ रहे हैं नगर पालिका द्वारा बघाना में चिकन मटन व्यवसाय हेतु कोई भी दुकानें आवंटित नहीं की है प्रदेश सरकार के आदेश पर प्रशासन द्वारा 9 जनवरी को बघाना स्थित सभी मटन व्यवसाययों की दुकानें सील कर दी गई जिसकी वजह से आर्थिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है और परिवार की भूखे मरने की नौबत आ गई है।

सभी व्यवसाय बेरोजगार हो गए हैं उपरोक्त मामले में नगर पालिका और जिला प्रशासन द्वारा 10 दिन का समय बगाना में दुकानें आवंटित करने और स्थान आवंटित करने के लिए दिया गया था परंतु उससे अधिक समय बीत जाने के बाद भी अब तक नगर पालिका द्वारा मीट व्यवसाय के लिए कोई भी स्थान आवंटित नहीं किया गया है।

दिए गए ज्ञापन में मटन व्यवसाईयों ने सील की गई दुकानों पर व्यवसाय करने की अनुमति की मांग की है ज्ञापन सौंपने के दौरान राजा कुरेशी मोहम्मद अयूब मोहम्मद भाई शहजाद कुरेशी मोहम्मद आशिक सहित अन्य मटन चिकन व्यवसाय मौजूद रहे।

नशा मुक्ति पर केन्द्रित बच्चों की चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित राष्ट्रपिता महात्मागांधी के जीवन से बच्चों को कराया अवगत

नीमच। सामाजिक संस्था समर्पण फाउण्डेशन द्वारा सीईओं जिला पंचायत श्री गुरूप्रसाद तथा उपसंचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग एवं अति. सीईओं अरविन्द डामोर के निर्देशन में एवं नोडल अधिकारी जिला समन्वयक जन अभियान परिषद वीरेन्द्र सिंह ठाकुर एवं संस्था अध्यक्ष श्रीमती मीरा थापा के मार्गदर्शन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथी के अवसर पर मद्य निषेध संकल्प दिवस अंतर्गत संस्था की सामाजिक कार्यकर्ता रेणु गोस्वामी द्वारा स्कीम नंबर 36 के शीतला माता मंदिर नीमच में कॉलोनी के बच्चों की चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती प्रत्याशा दुबे, विशेष अतिथि श्रीमती मंजू त्रिवेदी रिटा. शासकीय शिक्षिका, मुख्य वक्ता सुश्री राधिका शर्मा, आंगनवाडी कार्यकर्ता शोभा शर्मा थी एवं अध्यक्षता सुश्री राजकुमारी ने की। मुख्य अतिथि श्रीमती प्रत्याशा दुबे ने महात्मा गांधी के जीवन से बच्चों को अवगत कराते हुए कहा कि महात्मा गांधी जी ने अहिंसा और सत्य की शक्ति से इतिहास की दिशा बदल दी थी। गांधीजी ने भारतीय समाज की बदहाली के विभिन्न कारणों में नशे की लत को भी बड़ी समस्या माना था। गाँधी जी ने चंपारण आंदोलन के समय कहा था कि शराब आत्मा और शरीर दोनों का नाश करती हैं। गांधीजी के इस वक्तव्य से यह साबित होता है कि वे नशे की लत को मनुष्य के लिए कितना खतरनाक मानते थे। उस समय की आज के समय में इस समस्या की तुलना करें तो यह समझा जा सकता है कि आज यह समस्या विकराल रूप धारण कर चुकी है इसलिए हमें जीवन में कभी भी नशा नहीं करना चाहिए, नशा हमें और हमारे परिवार के लिए जहर के समान है। श्रीमती मंजू त्रिवेदी ने कहा कि नशे से कई परिवार बर्बाद हो गये है इसलिए बच्चों को अभी से यह ध्यान रखना चाहिए कि नशा नाश की जड है, जीवन अछा खुशी से जीना है, परिवार को सुखी रखना है तो बच्चें, बड़े होकर कभी भी नशा नहीं करें।

प्रतियोगिता में 22 बच्चों ने सहभागिता की जिसमें से राजवीर चौहान ने प्रथम, अक्षत शर्मा ने द्वितीय, रितिका गोस्वामी ने तृतीय, डिम्पल मेहरे ने तृतीय एवं सांत्वना पुरूस्कार तपस्वी जैन ने प्राप्त किया जिन्हें अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र वितरण कर पुरूस्कृत किया गया। आयोजन में रजनी पंथी, नीलम, शांति चौहान, सीमाजी, मधुबाला, शशी जैन सहित रहवासी उपस्थित थे। संचालन एवं आभार रेणु गोस्वामी ने किया।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक ऐश्वर्य शर्मा के लिए माँ भगवती प्रिन्टर्स बंगला-23, नीमच, जिला-नीमच, मध्यप्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पर्क: ऐश्वर्य शर्मा (संपादक)- 9407423966, राधवेन्द्र शर्मा (प्रबंधक)- 9301678930। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नीमच होगा।